केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 **B.S.T 59** बस्ती, वर्ष :46 अंक 131 बुधवार 4 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ विशाल प्रदर्शन, 4 को तैयारियां पूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों , बहन बेटियों पर हो रहे अमानवीय अत्याचारों से पूरा हिंदू समाज आक्रोशित है । हिंदुओं पर हो रहे इन अत्याचार के विरोध में समस्त हिंदू समाज द्वारा , हिंदू रक्षा संघर्ष समिति बस्ती के तत्वाधान में बुधवार 4 दिसम्बर को 11 बजे एक विशाल विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा।

समिति के संयोजक आशीष ने बताया कि बताया कि शहर के लाल बहादुर शास्त्री चौक झंड़ा चौराहा पर हिन्दु समुदाय का एकत्रीकरण होगा और वही से पैदल मार्च करते कम्पनी बाग चौराहा होते हुए तहसील गेट के सामने से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा । उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन में सम्मिलित होने के लिए अनेक हिन्दू संगठनों, धार्मिक, सामाजिक संगठनों के साथ पूरे जिले भर में बैठके की जा रही है। लोगों के आने के लिए ई रिक्शा पर लाउडस्पीकर लगाकर प्रचार प्रसार किया जा रहा तथा बड़ी संख्या में लोगों से हस्ताक्षर करवाए जा रहे हैं ।

हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के कार्यकर्ता पिछले एक सप्ताह से लगातार सक्रिय भूमिका में कार्य कर रहे हैं जिससे विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में लोग प्रतिभाग कर सकें।

मुख्य राजस्व अधिकारी ने संभाला कार्यभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कीर्ति प्रकाश भारती ने मंगलवार को मुख्य राजस्व अधिकारी, बस्ती के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। कीर्ति प्रकाश भारती अयोध्या जनपद के निवासी हैं। इन्होंने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा जी.आई.सी. प्रयागराज व इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद से बी.एस.सी. व एल.एल. बी. की शिक्षा ग्रहण किया है। श्री भारती 2013 बैच के पी.सी.एस. अधिकारी हैं। इसके पूर्व एस.डी.एम. के तौर पर बस्ती सदर, रूधौली, बहराइच सदर, पयागपुर, मोतीपुर, बलरामपुर व जनपद गोंडा के मानिकापुर तहसील में अपना योगदान दे चुके हैं। वे पूर्व में उप निदेशक सूडा के पद पर लखनऊ में कार्यरत रहे हैं।

चलती आटो में लगी आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थानाक्षेत्र स्थित जेल गेट के पास चलते ऑटो में आग लग गई। ऑटो का निचला हिस्सा धू–धू कर जलने लगा। ऑटो पर आधा दर्जन यात्री सवार थे। आग लगने पर यात्रियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। पास में ही पुलिस चौकी और पेट्रोल पंप था, जहां से कांस्टेबल विजय यादव और सुनील यादव की सूझबूझ से आग पर काबू पाया गया। बस्ती–महुली रोड पर चल रहे ऑटो में किसी कारण से निचले हिस्से में आग लग गई और टायर व निचला हिस्सा जलने लगा। पास की पुलिस चौकी पर मौजूद कांस्टेबल पहुंचे। सामने के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर लाए। इसके साथ ही एक व्यक्ति ने पानी डाला। पानी और फायर एक्सटिंग्विशर के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका।

अडानी मुद्दे पर इण्डिया गठबंधन में दरार

नई दिल्ली (आभा)। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। दरअसल, अदाणी मामले पर विपक्ष ने लोकसभा से वॉकआउट किया। उसके बाद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन करने लगे। विपक्षी दलों के सांसदों के हाथ में 'मोदी–अदाणी एक हैं' और 'भारत अदाणी के खिलाफ जवाबदेही की मांग करता है, लिखी तख्तियां दिख रही थीं। इस प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी शामिल हुए। हालांकि, इससे समाजवादी पार्टी (एसपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दूरी बना ली है। ऐसे में सरकार के खिलाफ विपक्ष बिखरता नजर आया। इस दूरी ने एक बार फिर इंडिया गठबंधन में आई दरार को सामने ला दिया।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। हम सदन के अंदर प्रदर्शन नहीं कर सकते इसलिए हमने संसद परिसर में विरोध किया है।

टीएमसी के न शामिल होने पर कहा उन्होंने, 'हमारे बीच अबतक और मामलों में सही समन्वय चल रहा है। उनको पता है बंगाल में हम लोग एक साथ नहीं है। इसलिए शायद वह इस विषय पर भी अलग हैं। संसद में किस विषय पर बात होगी यह सरकार तय करेगी। मगर विपक्ष और कोई रास्ता निकाल लेगा अपने विषयों पर बात करने का।

25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी का पूरा फोकस अदाणी मामले को लेकर है, लेकिन समाजवादी पार्टी संभल हिंसा पर चर्चा की मांग कर रही है।

बाल श्रम टास्क फोर्स सदस्य बने सूर्य कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के जिला महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल को बाल एवं कुमार श्रमिकों को कार्य से हटाने, रेस्क्यू करने, उनके शैक्षिक पुर्नवास हेतु गठित टास्क फोर्स का सदस्य नामित किया गया है।

जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने उन्हें सदस्य नामित करते हुये अपेक्षा किया है कि वे बाल श्रम उन्मूलन और पुर्नवास की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। सूर्य कुमार शुक्ल को सदस्य नामित किये जाने पर अनेक सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेताओं, समाजसेवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

सफाईकर्मियों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत कार्यालय बनकटी में मंगलवार को अध्यक्ष उर्मिला देवी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को माला पहना कर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सफाई कर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा की सभी लोग अपने वार्डो में बेहतर सफाई साफ सफाई का ध्यान रखे। घर –घर कूड़ा कलेक्शन करे। इसमें लापरवाही बिलकुल न करे।

कहा कि सबके प्रयास से ही नगर पंचायत को स्वच्छ बनाया जा सकता है। स्वछता सर्वेक्षण में नगर पंचायत को बेहतर स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करना होगा।

मौके पर अतुल पाल, विवेकानंद शुक्ला, आशीष श्रीवास्तव, प्रवेश कुमार दुबे, दीपिका, सूरज, भगवानदीन, दीनदयाल, प्रदीप, विनय दुबे के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

लेखपाल, संविदाकर्मी पर मनमानी का आरोपः स्थलीय पैमाइश की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लालगंज थाना क्षेत्र के हर्रैया तप्पा कबरा निवासी प्रेमचन्द्र चौधरी ने जिलाधिकारी समेत अन्य उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि उन्होने बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के हर्रैया गांव में सक्रिय भू–माफियाओं, तहसील कम्प्यूटर संविदा कर्मी राजकुमार आदि की शिकायत किया तो न्याय दिलाने की जगह उल्टे नियम विरूद्ध पैमाइश को आधार बनाकर उन्हें वर्षो पुराने मकान से ही बेदखल करने की साजिश रची जाने लगी।

प्रेमचन्द्र चौधरी ने पत्र में कहा है कि हल्का लेखपाल बजरंग बहादुर और तहसील कम्प्यूटर संविदा कर्मी राजकुमार भू–माफियाओं से सांठगांठ कर मनमानी कर रहे हैं। इससे नागरिकों में आक्रोश है। उन्होने मांग किया कि हल्का लेखपाल और संविदा कर्मी का अन्यत्र स्थानान्तरण कराकर नये सिरे से भूमि की स्थलीय पैमाइश कराया जाय।

आम आदमी पार्टी ने चलाया सदस्यता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में कचहरी परिसर में सदस्यता अभियान चलाया गया। अनेक लोगों को पार्टी की सदस्यता दी गई। डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ रहा है। पार्टी के बौद्ध प्रान्त के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने कहा कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार उत्पीड़न और फर्जी आरोप लगाकार पार्टी को कमजोर करने का षड़यंत्र कर रही है किन्तु जनता ऐसे मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। सदस्यता अभियान में मुख्य रूप से चन्द्रभान कन्नौजिया, रामसजन सूर्यबंशी, मिथलेश भारती, फिरदौस अहमद, शेषपाल चौधरी, जय सिंह, नरेन्द्र चौधरी आदि शामिल रहे।

केंद्रीय मंत्री से मिला फार्मासिस्टों का प्रतिनिधिमंडल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल से एक प्रतिनिधिमंडल मिला। यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार ने यहां बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने सिड्युल के को समाप्त कराने, होलसेल मेडिकल पर भी फार्मासिस्ट की अनिवार्यता, नेशनल हेल्थ पॉलिसी 2017 के बिंदु 11.4 के तहत सीएचओ भर्ती के लिए फार्मासिस्ट को ब्रिज कोर्स के लिए अहर्य किए जाने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश दिए जाने सम्बन्ध में ज्ञापन दिया गया।केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि फार्मासिस्टों के सभी मुद्दों पर अमल किया जायेगा। बताया कि प्रतिनिधि मण्डल में मोहित कुमार मंडल उपाध्यक्ष आगरा, सुभाष रायकवार बुलेंदखणड आई.टी. सेल अध्यक्ष, धीरज शर्मा, विनीत पुरोहित, नयन शर्मा, पंकज मिश्रा, वीरेन्द्र पुरोहित, धनंजय दुवे, सुरेंद्र पटेल, उत्कर्ष मिश्रा, सतेंद्र राजपूत, राजेन्द्र राजपूत, कृष्णकांत तिवारी, विक्रम चौबे, देशपत यादव, अनेकेश राजपूत, सत्यम झा, अनुराग सेन, विनय सेन, यश मालवीय आदि फार्मासिस्ट उपस्थित रहे ।

बांग्लादेश ने भारत के राजदूत को तलब किया

नई दिल्ली । बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं के बीच मोहम्मद यूनुस सरकार ने अगरतला मामले में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया है। अगरतला में बीते दिनों बांग्लादेश के राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ की घटना हुई थी। बांग्लादेश सरकार ने इस घटना को लेकर अपना विरोध दर्ज किया है। अंतरिम सरकार में कानूनी मामलों के सलाहकार ने विरोध दर्ज करते हुए कहा कि भारत को समझना चाहिए कि यह शेख हसीना का बांग्लादेश नहीं है।

दरअसल मामला यूं है कि हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमलों के विरोध में पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में सोमवार को हजारों की संख्या में लोगों ने व्यापक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में कथित तौर पर घुस गए और कथित तौर पर तोड़फोड़ की। विदेश मंत्रालय ने इस घटना को बहुत खेदजनक बताया है। बांग्लादेश राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ करने के आरोप में सात लोग गिरफ्तार हो चुके हैं और सात पुलिसकर्मियों पर लापरवाही के आरोप में ऐक्शन लिया जा चुका है।

मंगलवार को भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच खबर आई कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को देश के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की जयंती कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में मनायी गयी। वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि देश को आजाद कराने और नव निर्माण में राजेन्द्र बाबू का सर्वाधिक योगदान रहा। संविधान के सृजन से लेकर प्रथम राष्ट्रपति के रूप में उन्होने देश को कठिन समय में जो दिशा दिया नई पीढी को उससे प्रेरणा लेनी चाहिये। वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल जगमग ने कहा कि बिहार की माटी से निकले राजेन्द्र बाबू को महात्मागांधी ने सदैव समान आदर दिया। उनके विचार, व्यवहार और सादगी का दूसरा कोई उदाहरण नहीं मिलता। साहित्य से उनका विशेष अनुराग था। कार्यक्रम में श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि वे कुशल अधिवक्ता थे और विधि क्षेत्र के लोग उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। अध्यक्षता करते हुये बटुकनाथ शुक्ल ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व, कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य रूप से डा. अफजल हुसेन 'अफजल' बी. के. मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, आचार्य छोटेलाल वर्मा, अजमत अली सिद्दीकी, फूलचंद चौधरी, सामईन फारूकी, दीनानाथ आदि उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच सफलता की कुंजी -अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत नेशनल इण्टर कालेज हर्रैया के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को विद्यालय प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह और विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी हर्रैया विनोद कुमार पाण्डेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। बच्चों और उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सफलता के लिए सकारात्मक सोच बहुत आवश्यक है। सकारात्मक सोच से व्यक्ति के मस्तिष्क में उचित विचार आते हैं और वह सकारात्मक काम करता है। कहा कि बच्चों के माता–पिता को चाहिए कि बच्चों को हताश न करें बल्कि उन्हें अच्छा करने के लिए प्रेरित करें। एसडीएम ने कहा कि लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है जब आप उस लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत कीजिए उन्होंने स्वयं के उदाहरण से बताया कि उन्होंने लंबे संघर्ष के बाद अथक परिश्रम के द्वारा सफलता अर्जित की। प्रबंधक नरेंद्र बहादुर सिंह, अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रधानाचार्य विनोद वर्मा और अन्य शिक्षकों ने विभिन्न उदाहरण के माध्यम से बच्चों को सफलता के टिप्स दिए।

इस अवसर पर थाना प्रभारी तहसीलदार सिंह, अखिलेश सिंह प्रधान, भरत सिंह, निर्मल सिंह, रणजीत सिंह, अतुल तिवारी, विनोद गुप्ता, राम गोपाल यादव, मनोज पाण्डेय, वीरेंद्र कुमार, अमरेंद्र सिंह, अजय प्रताप, अमरनाथ, दुर्गेश सिंह, सर्वेश पाण्डेय, दिनेश श्रीवास्तव, आरती सिंह, दिनेश चौधरी, माधव प्रसाद, अरविंद गुप्ता, सूर्य प्रकाश सिंह, जुगल किशोर, शालिनी सिंह, पुष्पा चतुर्वेदी, दिव्या सहित तमाम गणमान्य, विद्यालय परिवार एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

धोखाधड़ी की शिकार समूह की महिलाओं ने धरना देकर किया न्याय की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समूह की महिलाओं को धोखा देकर ऋण निकाल लेने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को पीड़ित महिलाओं ने सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और सर्वेश चौधरी सियरापार के नेतृत्व में शास्त्री चौक पर एक दिवसीय धरना देने के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि धोखाधड़ी की शिकार हुई महिलाओं को ठगों के विरूद्ध कार्रवाई कर रूपया वापस दिलाया जाय। आरोपियों को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर उनके सम्पत्ति की नीलामी कराकर बैंकों का ऋण जमा कराया जाय। सरदार सेना के नेताओं ने चेतावनी दिया कि यदि एक सप्ताह के भीतर पीड़ित महिलाओं को न्याय न मिला तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जायेगा।

-एक सप्ताह के भीतर न्याय न मिला तो अनिश्चित कालीन धरना देगी सरदार सेना- बृजेश पटेल

धरने को सम्बोधित करते हुये सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने कहा कि समूह की महिलाओं को भ्रम में रखकर उनके नाम पर कर्ज लेकर डकार जाने वाले लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाय और पीड़ित धोखाधड़ी की शिकार हुई महिलाओं को धन वापस कराया जाय। कहा कि कि जनपद के अनेक क्षेत्रों में समूह की महिलाओं को उद्यमी बनाने का लालच देकर उनके नाम पर करोड़ो रूपये निकाल लिये गये और महिलाओं के घर अब बैंको से वसूली की नोटिस आ रही है। इससे समूह की महिलायें और उनके परिजन परेशान हैं। बृजेश पटेल ने कहा कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र की गनेशपुर निवासिनी मीना पत्नी राकेश, राकेश पुत्र राम मूरत, अरविन्द पुत्र राधेश्याम, सोनी पत्नी अरविन्द आदि पहले समूह का ग्रुप बनाती थी। फैक्ट्री खोलने और उसमें साझेदार बनाने का झांसा देकर अनेक महिलाओं को जालसाजों ने बैंकों का कर्जदार बना दिया। महिलाओं को इसकी जनकारी तब हुई जब बैंकों से वसूली के लिये पत्र आने लगे और उन पर कर्ज जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। अनेक घरों में इसे लेकर पारिवारिक कलह का माहौल है। जालसाजी का शिकार हो चुकी परेशान महिलायें न्याय के लिये भटक रही है। मांग किया कि महिलाओं को न्याय दिलाया जाय। विभिन्न बैंकों बंधन बैंक, भारत बैंक, वंदना बैंक, मिड लैंड, कमल बैंक, एक्सिस बैंक, ग्रामीण कोटा, सामदूजा बैंक, उत्कर्ष बैंक, आई०डी०एफ०सी० बैंक, एच०डी०एफ०सी० बैंक, आर० बी० एल० बैंक, टाटा बैंक से लोन करवाकर रूपया हड़प लिया है। महिलायें परेशान हैं।

ज्ञापन सौंपने वालों में सर्वेश चौधरी, अखिलेश प्रजापति, आकाश सम्राट, रवि प्रकाश चौधरी 'रवि', सुनील पटेल, अभिषेक चौधरी, मीना देवी, अनीता, अखिलेश चौधरी, पूजा, चांदनी, रीता देवी, विन्दवासिनी देवी, उर्मिला, प्रदीप यादव 'राजा भैया', कपिला, माधुरी, पिकूं चौधरी, संदीप निषाद, चन्द्रगुप्त मौर्य, सोहन कुमार, दीपक आर्य, पूजा देवी, ज्योति, ऊषा देवी, राजकुमार, गोलू पटेल, आकाश पटेल, शिव चौधरी, माधुरी, अनीता देवी, शहजाद आलम, अभिषेक मौर्य, रागिनी देवी, सुनीता देवी, सुमन देवी, राजेश्वरी देवी, रागिनी, बबुना देवी, शीला, मीरा के साथ ही बड़ी संख्या में सरदार सेना के पदाधिकारी और धोखाधड़ी की शिकार हुई समूह की महिलायें शामिल रहीं।

जयन्ती पर याद किये गये प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

राजेन्द्र बाबू के जीवन से प्रेरणा ले नई पीढी- मंजू पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । देश के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को उनकी जयंती पर याद किया गया। मंगलवार को महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष एवं उ.प्र. कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय के संयोजन में जनपद बार एसोसिएशन के सभाकक्ष में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंजू पाण्डेय ने कहा कि राजेन्द्र प्रसाद, भारतीय राजनीति के एक महान नेता और प्रेरणास्त्रोत थे। उनकी जयंती, 3 दिसम्बर को, न केवल उनके योगदान को याद करने का अवसर है, बल्कि ये हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेने का भी समय है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का जीवन सरलता, समर्पण तथा राष्ट्रप्रेम की मिसाल रहा है। उनका जन्म 3 दिसम्बर 1884 को बिहार के जीरादेई गाँव में हुआ था। एक साधारण परिवार में जन्म लेने के बाद भी उन्होंने शिक्षा और कड़ी मेहनत से खुद को एक महान नेता के रूप में स्थापित किया। उन्होंने पटना से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए कोलकाता तथा फिर ब्रिटेन गए।

जनपद बार के मंत्री और कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के साथ मिलकर भाग लिया और गांधीजी के आंदोलनों का समर्थन किया। इस दौरान वो कई बार जेल भी गए। उनका व्यक्तित्व हमेशा अहिंसा, सत्य, और भारतीय संस्कृति के प्रति गहरी श्रद्धा से प्रेरित रहा। संविधान के निर्माण में उनका विशेष योगदान रहा। गोष्ठी में कांग्रेस नेता अवधेश सिंह और डा. वाहिद सिद्दीकी ने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद भी राजेन्द्र बाबू के अंदर सत्ता का कोई अहंकार नहीं था। वे हमेशा अपनी सरलता और सादगी के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी अध्यक्षता में भारत में कई सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक बदलाव हुए। डॉ. राजेंद्र प्रसाद के लिए शिक्षा केवल पुस्तकों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि वो जीवन के हर पहलू से कुछ नया सीखने में विश्वास रखते थे। ऐसे महान पुरूष को सदैव स्मरण रखने की जरूरत है जिससे युवा पीढी इससे प्रेरणा ले।

जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडवोकेट पारसनाथ तिवारी, अविनाश कुमार शुक्ल, प्रदीप पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, के.के. उपाध्याय, शीतला प्रसाद पाण्डेय, ऋतुराज कुमार पाल, सेराज अहमद, विजय श्री मिश्रा के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 दिसम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

जनसंख्या और राजनीति

देश में विभिन्न दलों के राजनेता और धार्मिक नेता अपने तात्कालिक हितों की पूर्ति हेतु अपने लक्षित समूहों की आबादी बढ़ाने की जरूरत बताते रहे हैं। आबादी के बोझ से चरमराती नागरिक सेवाओं और सीमित संसाधनों के बीच आबादी बढ़ाने का आह्वान करना तार्किक दृष्टि से गले नहीं उतरता। लेकिन इसके बावजूद धार्मिक व सांप्रदायिक समूह के अगुआ आबादी बढ़ाने का आह्वान करते नजर आते हैं। इस विवादास्पद मुद्दे की हालिया चर्चा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के कारण फिर सुर्खियों में है। उनका कहना है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने एक तस्वीर उकेरते हुए कहा है कि जिस समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे चली जाएगी, कालांतर उस समाज को एक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनकी दलील है कि बहुसंख्यक समाज को हम दो, हमारे तीन के समाधान पर अमल करना चाहिए। यानी प्रत्येक जोड़े को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने एक समुदाय विशेष को इंगित करते हुए चिंता जतायी थी कि अधिक आबादी वाला समुदाय जनसंख्या संतुलन के लिये चुनौती पेश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस विवादास्पद भाषण के कुछ सप्ताह के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी आंकड़ों के निष्कर्ष में इस बात को लेकर चिंता जतायी गई थी कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक समाज की आबादी में 7.82 फीसदी की कमी आई है। वहीं देश के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में 43 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इन्हीं आंकड़ों के जरिये भविष्य में बहुसंख्यक समाज के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के रूप में पेश किया जाता है। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व व धार्मिक संगठनों के नेताओं द्वारा अपनी सुविधा की जनसंख्या नीति को लेकर जो दलीलें दी जा रही हैं, वे एक अर्थशास्त्री द्वारा लक्षित जनसंख्या की संकल्पना दृष्टि के मद्देनजर विरोधाभासी कही जा सकती हैं।

वहीं दूसरी ओर देश के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि विकसित भारत के लक्ष्य हासिल करने में छोटे परिवार मददगार साबित हो सकते हैं। निश्चित रूप से जनसंख्या से जुड़ी विरोधाभासी दलीलों की तार्किकता तलाश पाना एक कठिन कार्य रहा है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि देश में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के प्रयोग में वृद्धि के कारण प्रजनन दर में काफी गिरावट आई है। वहीं ऐसे ही तात्कालिक कारणों तथा राजनीतिक लक्ष्यों ने आंध्र प्रदेश में टीडीपी सरकार को दो संतानों की नीति को खत्म करने के लिये प्रेरित किया है। ऐसी ही जनसंख्या नीति में बदलाव के लिये तमिलनाडु सरकार की तरफ से विरोधाभासी बयान विगत में सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बने हैं। ऐसे हालात में विभिन्न राज्यों में सरकारों को चाहिए कि वे जनसंख्या नीति पर बयानबाजी करने से पहले उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करें। वे विचार करें कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन की चुनौती के बीच क्या वे अतिरिक्त जनसंख्या के बोझ को संभाल पाने में सक्षम हो सकते हैं? निस्संदेह, राजनीतिक और धार्मिक लक्ष्यों के लिये संख्या का खेल खेलने वाले नेताओं को सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना भले ही सफलता का शार्टकट लगता हो, लेकिन उन्हें भारत की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिये ऐसे प्रयासों के निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जाहिर बात है कि देश की भौगोलिक स्थिति और जनसंख्या का घनत्व पहले ही काफी असंतुलित है। यदि फिर भी जनसंख्या वृद्धि की होड़ संकीर्ण स्वार्थों के लिये की जाती है तो उसके दूरगामी घातक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमारी प्राथमिकता हर हाथ को काम देने तथा सीमित संसाधनों के बेहतर उपयोग होनी चाहिए। यदि ऐसे हालात में आबादी में अप्रत्याशित वृद्धि होती है तो कालांतर जनसंख्या के दबाव से चरमराती नागरिक सेवाओं के ध्वस्त होने की आशंका बलवती हो जाएगी।

स्मृतियो में प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद

-डा० राजेश कुमार शर्मा-

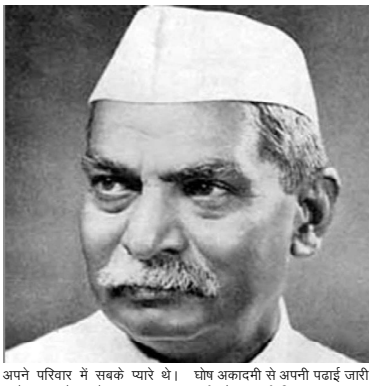

स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डा0 राजेन्द्र प्रसाद आधुनिक भारत के प्रमुख निर्माताओं में से एक थे। वह एक अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी, सुयोग्य प्रशासक और श्रेष्ठ राजनेता होने के साथ–साथ महान मानवतावादी भी थे। लगातार दो कार्यकाल तक भारत के राष्ट्रपति के रूप में डा0 राजेन्द्र प्रसाद ने राष्ट्रकी दशा और दिशा निर्धारित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हमारे राष्ट्रीय जीवन तथा राजनीति पर अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप छोडी।

बिहार के तात्कालीन सारण जिले के जीरादेई नामक गॉव में जन्मे डा0 राजेन्द्र प्रसाद का जीवन अत्यन्त साधारण था। अपने पॉच भाई–बहनों में वे सबसे छोटे थे, इसलिए वे अपने परिवार में सबके प्यारे थे। उन्हे प्यार से 'राजेन्द्र बाबू' कहा जाता था। पॉच वर्ष की उम्र में ही राजेन्द्र बाबू ने एक मौलवी साहब से फारसी में शिक्षा शुरू किया। उसके बाद वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के लिए छपरा के जिला स्कूल गए। राजेन्द्र बाबू का विवाह उस समय की परिपाटी के अनुसार बाल्यकाल में ही, लगभग 13 वर्ष की उम्र में, राजवंशी देवी से हो गया। विवाह के बाद भी उन्होंने पटना की टी० के० घोष अकादमी से अपनी पढाई जारी रखी। वे जल्द ही जिला स्कूल छपरा चले गये और वहीं से 18 वर्ष की उम्र में उन्हों ने कोलकाता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा दी। उस प्रवेश परीक्षा में उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। सन् 1902 में उन्होंने कोलकाता के प्रसिद्ध प्रेसिडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया। उन्होंने स्वर्ण पद के साथ विधि परास्नातक (एलएलएम) की परीक्षा पास की और बाद में लॉ के क्षेत्र में ही उन्होंने डॉक्ट्रेट की उपाधि भी हासिल की। 1908 में डॉ राजेंद्र प्रसाद ने बिहारी छात्र सम्मेलन के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह पूरे भारत में इस तरह का पहला संगठन था। इस कदम ने बिहार के उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के पूरे राजनीतिक नेतृत्व को बदल दिया। पोस्ट ग्रैजुएशन पूरा करने के बाद, वह बिहार के मुजफ्फरपुर गांव के लैंगट सिंह कॉलेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर के रूप में शामिल हो गए और बाद में उन्हें प्रधानाचार्य बना दिया गया।

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने एक शांत और हल्के ढंग से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया। 1906 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता सत्र में एक स्वयंसेवक के रूप में भाग लिया और 1911 में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हो गए। चम्पारण में गॉधीजी ने एक तथ्य अन्वेषण समूह भेजे जाते समय उनसे अपने स्वयं सेवकों के साथ आने का अनुरोध किया था। राजेन्द्र बाबू महात्मा गॉधी की निष्ठा, समर्पण एवं साहस से बहुत प्रभावित हुए। डॉ0 राजेंद्र प्रसाद के मन में गांधीजी के प्रति अपार श्रद्धा थी। वे दक्षिण अफ्रीका में उनके आंदोलन से बहुत प्रभावित थे। जब पहली बार दोनों की भेंट हुई तो राजेंद्र प्रसाद की श्रद्धा जितनी चरम पर थी, गांधीजी का उनके प्रति स्नेह भी उतना ही अधिक था। गांधीजी ने भी डॉ0 राजेंद्र प्रसाद की निःस्वार्थ समाजसेवा के विषय में काफी कुछ सुन रखा था। 1916 में गांधीजी ने चंपारन में अपना आंदोलन शुरू किया और डॉ0 राजेंद्र प्रसाद ने पूरी निष्ठा से उनका साथ दिया। 1920 में, जब गांधी ने असहयोग आंदोलन की शुरुआत की घोषणा की, डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी कानून प्रेक्टिस को छोड़ दिया और स्वतंत्रता आन्दोलन में खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने बिहार में असहयोग के कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। उन्होंने राज्य का दौरा किया, सार्वजनिक बैठकों का आयोजन किया और आंदोलन के समर्थन के लिए दिल से भाषण दिया। आंदोलन को जारी रखने के लिए उन्होंने धन का संग्रह किया। उन्होंने लोगों से सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और कार्यालयों का बहिष्कार करने का आग्रह किया। अपने समकालीन लोगों की तरह, डॉ राजेंद्र प्रसाद की राजनीतिक चेतना महात्मा गांधी द्वारा बहुत प्रभावित थी। जिस तरह से गॉंधीजी ने लोगों की समस्याओं को उठाया और सभी तक पहुँचाया, इससे राजेन्द्र प्रसाद के मानस पटल पर गहरा प्रभाव पडा। महात्मा गाँधी के साथ उनकी बातचीत ने उन्हें अस्पृश्यता पर अपने विचारों को बदलने के लिए प्रेरित किया। गॉंधीजी का अनुसरण करते हुए उन्होंने सादा और सरल जीवन जीने का निर्णय लिया। भारत के स्वतन्त्र होने के बाद संविधान लागू होने पर उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति का पदभार सँभाला। राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में प्रधानमंत्री या कांग्रेस को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया और हमेशा स्वतन्त्र रूप से कार्य करते रहे। हिन्दू अधिनियम पारित करते समय उन्होंने काफी कड़ा रुख अपनाया था। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टान्त छोड़े जो बाद में उनके परवर्तियों के लिए उदाहरण बन गए।भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। 12 वर्षों तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के पश्चात उन्होंने 1962 में अपने अवकाश की घोषणा की। अवकाश ले लेने के बाद ही उन्हें भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा गया। अपने जीवन के आखिरी महीने बिताने के लिये उन्होंने पटना के निकट सदाकत आश्रम चुना। यहाँ पर 28 फरवरी 1963 में उनके जीवन की कहानी समाप्त हुई। यह कहानी थी श्रेष्ठ भारतीय मूल्यों और परम्परा की चट्टान सदृश्य आदर्शों की। हम सभी को इन पर गर्व है । इस महान विभूति को स्मरण करते हुये हम सब की तरफ से शत् शत् नमन।

कार्यालय ग्राम पंचायत हथिया प्रथम विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 10.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 11.12.2024 दिन में 01:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-माया देवी
ग्राम पंचायत-हथिया प्रथम
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- वीरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत-हथिया प्रथम
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत अठदमा विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 10.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 11.12.2024 दिन में 03:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-आकृति
ग्राम पंचायत-अठदमा
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- वीरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत-अठदमा
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

जैव विविधता का बढ़ता संकट

–मुकुल व्यास–

दुनिया के जंगल इस समय बड़े दबाव में हैं क्योंकि पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। नए अध्ययन से पता चला है कि पेड़ों की कुछ प्रजातियों को खोने से न केवल स्थानीय वनों को नुकसान होगा, बल्कि इससे समूचे पारिस्थितिकी तंत्र को भी खतरा हो जाएगा। पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र में पेड़ों की विविधता की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

विश्व में पेड़ों की स्थिति के बारे में 2021 में किए गए एक वैश्विक मूल्यांकन में पाया गया कि सभी वृक्ष प्रजातियों में से एक–तिहाई के समक्ष इस समय अस्तित्व का संकट है। इसका अर्थ यह है कि लगभग 17,500 दुर्लभ और विशिष्ट वृक्ष प्रजातियां लुप्तप्राय हैं। यह संख्या दुनिया में खतरे में पड़े स्तनधारी जानवरों, पक्षियों, उभयचरों और सरीसृपों की संख्या से दोगुना से भी ज्यादा है। जो पेड़ सबसे ज्यादा संकट में हैं उनमें विराट तटीय रेडवुड और डायनासोर युग के वोलेमी पाइन शामिल हैं। कुछ पेड़ इतने दुर्लभ हैं कि उनकी प्रजाति का केवल एक ही ज्ञात पेड़ बचा है। इनमें मॉरीशस में हियोफोर्बे अमरिकौलिस नामक ताड़ के अकेले वृक्ष का उल्लेख किया जा सकता है।

वर्ष 2022 में एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पेड़ों की क्षति के परिणामों के बारे में 'मानव जाति को चेतावनी' जारी की थी, जिसका समर्थन 20 विभिन्न देशों के 45 अन्य विज्ञानियों ने किया था। बॉटनिक गार्डन कंजर्वेशन इंटरनेशनल के संरक्षण जीव विज्ञानी मालिन रिवर्स और उनके सहयोगियों ने पेड़ों की क्षति से हमारी अर्थव्यवस्थाओं, आजीविका और भोजन पर पड़ने वाले कई प्रभावों को रेखांकित किया है। हमारे अधिकांश फल पेड़ों से आते हैं। पेड़ों से मिलने वाले फलों, मेवों, दवाओं और गैर–लकड़ी उत्पादों का लगभग 88 अरब डॉलर का व्यापार होता है। विकासशील देशों में 88 करोड़ लोग ईंधन के लिए जलाऊ लकड़ी पर निर्भर हैं। दुनिया ने 1.6 अरब लोग जंगल के 5 किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। ये लोग भोजन और आय के लिए जंगल पर निर्भर हैं।

कुल मिलाकर पेड़ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना लगभग 1300 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। फिर भी हम हर साल बड़ी संख्या में पेड़ों को नष्ट कर रहे हैं। पेड़ अपने आप में एक छोटी दुनिया है, जिसमें सभी प्रकार के एकल और बहुकोशिकीय जीवन रूप पनपते हैं, जिसमें दूसरे पौधे, कवक, बैक्टीरिया और जानवर शामिल हैं। एक पेड़ को खोने से यह पूरी दुनिया भी खत्म हो जाती है। ये पेड़ अक्सर अपने आसपास के जीवन के लिए सहायक आधार बनाते हैं। वास्तव में, दुनिया के आधे जानवर और पौधे पेड़ों वाले आवासों पर निर्भर हैं। यदि हम पेड़ों की देखभाल नहीं करते हैं तो हम वहां मौजूद सभी अन्य जीवों की देखभाल भी नहीं कर पाएंगे। पेड़ों की विविधता खोने से जैविक संबंधों का संपूर्ण ताना–बाना कमजोर हो जाता है। यदि भिन्नता में कमी आती है तो इम्यून रिस्पॉन्स में कमी आएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत नगहरा विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 10.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 11.12.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-हृदयराम
ग्राम पंचायत-नगहरा
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- वीरेन्द्र कुमार
ग्राम पंचायत-नगहरा
विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

जो 2027 में सत्ताधीश बनने का सपना देख रहे, उन्हें 47 तक नहीं मिलेगी सत्ता –केशव मौर्य

संवाददाता–देवरिया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन लोकसभा चुनाव के बाद गुब्बारे की तरह फुल गया था। सपा अहंकार से फूली नहीं समा रही थी, प्रदेश की जनता ने उपचुनाव में 9 में से सात सीट पर भाजपा को जीता कर उन्हें पताल में पहुंचाने का कार्य किया है। जो लोग 2027 में सत्ताधीश बनने का सपना देख रहे हैं, उन्हें 47 तक प्रदेश की सत्ता नसीब होती नहीं दिखाई दे रही है। वह मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित भाजपा के पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि जनता ने उपचुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को जिताकर विरोधी सपा का हाल बेहाल कर दिया है। तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का पी डी ए परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। फिर बोले 100 में 60 हमारा है 40 में बंटवारा है उसमें भी हिस्सा हमारा है। मौर्य ने कहा कि सपा पति–पत्नी, भाई–भतीजा की पार्टी है तो कांग्रेस मां, भाई, बहन की पार्टी है जबकि भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन और सरकार के शीर्ष पद पर जा सकता है। सपा की दुर्दशा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता कि कुंदरकी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में ऐतिहासिक मतदान हुआ, अखिलेश यादव के भतीजे महज 14 हजार से जीते और इतिहास बदलते हुए कटहरी में भाजपा के ध र्मराज निषाद ने जीत कर धर्म राज की स्थापना कर दिया। बोले इस चुनाव परिणाम ने सपा के लोगों का घमंड तोड़ दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक भी लिया। उपमुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपनी समस्या को लिखित रूप में मांगते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का कार्य करते हुए आपको भी सूचित किया जाएगा। कहा कि कार्यकर्ता सम्मान से समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं को 2027 के चुनाव के लिए आज से ही एक्शन मोड में आ जाना होगा। डिप्टी सीएम ने अपनी बात की शुरुआत देवरहा बाबा को याद करते हुए की। उन्होंने कहा कि देवरिया के देवरहा बाबा का आशीर्वाद पूरे देश के लोगों को मिलता था। प्रयागराज के कुंड में देवरहा बाबा का मंच लगता था। आज भी कुंभ में उनका पंडाल लगता है और लोगों को आशीर्वाद मिलता है। बोले देवरहवा बाबा के आशीर्वाद से भव्य राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सका। डिप्टी सीएम ने कहा कि वर्ष 2019 के अर्धकुम्भ में 24 करोड़ लोग आए हुए थे। 2025 में लगने वाले महाकुंभ में इस बार 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। इस दौरान देवरिया के लोगों को महाकुंभ में आने का निमंत्रण भी दिया। केशव मौर्य ने केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन की सरकार जनता के हितों के लिए कार्य कर रही है। पार्टी के कार्यकर्ताओं के बल पर हम चुनाव जीत रहे है। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनी हुई है। वहीं महाराष्ट्र के चुनाव में आपके देवरिया समेत यूपी और बिहार के लोग महाराष्ट्र के चुनाव में महायुति के गठबंधन को अपना आशीर्वाद दिया है। जिससे पार्टी को बड़ी सफलता मिली है। हमें अहंकार नहीं पालना है, संगठन के कार्यकर्ता ऐसे ही कार्य करते रहे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि संगठन का एक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के निमित्त कार्य करते हैं जबकि अन्य दल निजी स्वार्थ में जन विश्वास के साथ छल करते हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि सभी बूथ और शक्तिकेंद्र के चुनाव अधिकारी अपने अपने बूथों और शक्तिकेंद्रों पर शत प्रतिशत अच्छे और निष्ठावान पदाधिकारियों का चयन करे । सभी बूथ इकाइयों की संरचना अगर ठीक हो गई तो संगठन के तरफ से उप मुख्यमंत्री का यही स्वागत होगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने जनपद के सभी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के तरफ से उप मुख्यमंत्री का आभार जताया। पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा, राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी, जयप्रकाश निषाद, दीपक मिश्रा शाका, गिरीश चंद तिवारी, पूर्व विधायक डा. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार दुबे, डा. अंतर्यामी सिंह, महेंद्र यादव, रजनीश उपाध्याय ने उप मुख्यमंत्री का संबोधन कर स्वागत किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि ने किया। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या गोरखपुर से सड़क मार्ग से जिले में पहुंचे। खरोह चौराहे, गौरीबाजार, बैतालपुर . सुभाष चौक पर फूल मालाओं से उनका स्वागत किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, अजय शाही, अजय कुमार दुबे, संजय सिंह एडवोकेट, महामंत्री श्रीनिवास मणि, रविंद्र कौशल, प्रमोद शाही, जिला मंत्री डा हेमंत मिश्रा, अजय शाही, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0 44/2022
श्रीमती जून देवी
बनाम
श्रीमती सावित्री आदि
1/2/1 चन्दन उम्र 38 वर्ष 1/2/2 लकी उम्र 35 वर्ष1/3/3 शोभित उम्र 30 वर्ष पुत्रगण स्व0 रमेश कुमार समस्त निवासीगण मो0 मंगल बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली मरगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 18–12–2024
हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस हैं और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 03 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–362/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विजयनन्दन प्रसाद उर्फ अतुल प्रसाद
बनाम
शहजाद अहमद आदि
1. शहजाद अहमद पुत्र डा0 ओवैदुल्लाह साकिन बेलवाडाड़ तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–01–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बवस्ख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत कोड़र विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 09.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 10.12.2024 दिन में 03:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-पूजा गौतम — ग्राम पंचायत-कोड़र — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- वीरेन्द्र कुमार — ग्राम पंचायत-कोड़र — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत गौसपुर विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 09.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 10.12.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-अंजू — ग्राम पंचायत-गौसपुर — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- वीरेन्द्र कुमार — ग्राम पंचायत-गौसपुर — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत मीतनजोत विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.12.2024 से 09.12.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 10.12.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान-रूबी — ग्राम पंचायत-मीतनजोत — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

सचिव- गोविन्द प्रसाद — ग्राम पंचायत-मीतनजोत — विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /03.12.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती द्वारा उ०प्र० नगर पालिका अधिनियम 1916 एवं उसमें दी गई उप धाराओं तथा शासन द्वारा समय–समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों के क्रम में आनसाइट स्वच्छता व्यवस्था के अन्तर्गत घर/भवन/प्रतिष्ठान में आनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (संष्टिक टैक/ट्विन पिट/सॉकपिट) के संग्रहण धुलाई और उससे जुड़े मामलों के लिये जारी सार्वजनिक सूचनाए निम्न लिखित है–

आनसाइट स्वच्छता प्रणालियॉं

1. **ओ एस एस का डिजाइन निर्माण और रख–रखाव**
– ओ एस एस का डिजाइन निर्माण और उसकी स्थापना आई०एस० कोड 2470 भाग 1 व 2 के प्रधानों के अनुसार किया जायेगा, या समय–समय पर संसोधित प्राधान अथवा नगर पालिका परिषद बस्ती या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा जारी अन्य स्वीकृत उपयुक्त अभियान्त्रिकी कार्य सहिता द्वारा संसोधित किया गया है।
– ओ एस एस से जुड़े सम्पत्ति के मालिक/निवासी, ओ एस एस से निकलने वाले फीकल स्लज के अनुरक्षण रख–रखाव और सुरक्षित निस्तारण के लिये जिम्मेदार रहोगे।
– परिसर का मालिक नियमित आधार पर प्रत्येक तीन वर्षों में सैप्टिक टैंक की सफाई अनिवार्य रूप से कराने का काम करेगा।
– परिसर का मालिक नगर पालिका परिषद, बस्ती द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान कर सैप्टिक टैंक की सफाई करा सकते है।
– परिसर के मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा की सैप्टिक टैंक को लाइसेंस प्राप्त आपरेटर या नगर पालिका परिषद, बरती के प्रशिक्षित स्वच्छता कर्मियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के साथ यात्रिक रूप से साफ किया जाता हो और मैनुअल सफाई कार्य न हो।

2. **सैप्टिक टैंक का डिजाइन–**
– सेप्टिक टैंक स्थापित करने के लिये बी०आई०एस० कार्य सहिता प्रदान करता है (आई० एस० कोड 2470 भाग ०1, 1985)
– सैप्टिक टैंक के निर्माण के लिये कुछ मानको के आधार पर डिजाइन मापदण्ड प्रदर्शित करता है, छोटे और बड़े क्षेत्री के लिये या आबादी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन इन्स्टालेशन का विवरण प्रदान करता है। केन्द्र सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियान्त्रि की सगठन, MOUHA के अनुसंधान प्रभाग द्वारा प्रकाशित सीवरेज और मल जल उपचार पर मैनुअल के भाग ए में ओ एस एस पर व्यापक डिजाइन मानक दिये गये है। प्रचलित और सुरक्षित साईट स्वच्छता के लिये इस खंड में तकनीको के मानक डिजाइन बताए गए है, साथ ही भारत में सैप्टिक टैंक को आमतौर पर काले पानी के लिये हाइलाइट किया जाता है।

–सैप्टिक टैंक के विनिर्देशन
1– अयाताकारः ला० और चौ० का अनुपात 2 से 4
2– गहराईः 1.0 से 2.5 मी० के बीच
3– दो कक्षः पहला कक्ष कुल लंबाई का 2/3
4– तीन कक्षः पहला कक्ष कुल लंबाई का 1/2
5– मशीन छेद (मैनहोल) प्रत्येक कक्ष के ऊपर
6– निर्विवाद, टिकाऊ और स्थिर टैंक

नोट–सैप्टिक टैंक का आकार कुछ अनुमानों (तरल प्रवाह) पर आधारित होता है, सैप्टिक टैंक का आकार का चयन करते समय सटीक गणना करनी चाहिये। इस बारे में जानकारी के लिये बी०आई०एस० 2470 भाग 01 1985 देखे।

अधिशाषी अधिकारी/
उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु)
नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः– /न0पा0प0ब0/2024–25 दिनांक– 02.12.2024

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः– /न0पा0प0ब0/2024–25 दिनांक–

आदेश

एतद द्वारा उत्तर प्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार निकाय के अंतर्गत शौचालयों में उच्च स्तरीय नागरिक हितैशी सेवायें, रख–रखाव एवं आवश्यक संविधा नियमित रूप से कराने हेतु सर्विस लेवल बेचमार्क निर्धारित किये गये हैं। अतः समस्त शौचालयों में निकाय के नोडल अधिकारी, स्वच्छता प्रभारी एवं केयर टेकरों को आदेशित किया जाता है कि निम्नानुसार सर्विस लेवल बेंचमार्क के अनुसार व्यवस्था करायें। निर्देशों का पालन नहीं किये जाने पर सम्बन्धित केयर टेकर एवं स्वच्छता प्रभारी को दर्शित अर्थदण्ड अनुसार दण्डित किया जायेगा।

क्रमाक	सेवा प्रकार	मानक लक्ष्य	अर्थदण्ड की राशि
01	शौचालय के खुलने का समय	24 घण्टे	5रू/–
02	जल की उपलब्ध	24 घण्टे	3रू/–
03	शौचालय में प्रकाश एवं हवादानी	प्रत्येक सीट में प्राकृतिक एवं एल ई.डी.लाईट से प्रकाश एवं हवादानी	2रू/–
04	सेप्टिक टैंक/सिवरेज व्यवस्था	समस्त सीटों हेतु	5रू/–
05	शिकायत निवारण की समय सीमा	24 घण्टे	3रू/–
06	शौचालय को आनलाईन मैप में खोजने हेतु या सक्षम प्लेटफार्म में उपलब्ध एवं फीडबैक व्यवस्था	समस्त शौचालयों में	5रू/–
07	दिव्यांग हितेशी सीट / बच्चों के सीट की उपलब्धता	प्रत्येक शौचालय में न्यूनतम 1 सीट	5रू/–
08	सीट, बेसिन, फर्श, दीवार, दरवाजा आदि की साफ–सफाई	निरन्तर किन्तु 24 घण्टे में न्यूनतम 4 बार	2रू/–
09	साबुन फिनायल, डस्टबिन, सफाई कर्मी, सुरक्षा पहनाये (जैसे ग्लप्स, जूता, एप्रेन झाड़ू) आदि की व्यवस्था ।	समुचित सफाई हेतु निरंतर उपलब्धता	3रू/–
10	सैनेटरी नैफकिन, एयर फेशनर, हैण्ड ड्रायर	शहर में स्थित कुल 10 प्रतिशत शौचालयों में	3रू/–

अधिशाषी अधिकारी/
उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु)
नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः– /न0पा0प0ब0/2024–25 दिनांक– 02.12.2024

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांकः– 5178 A /न0पा0प0ब0/2024–25 दिनांक–03.12.2024

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024
मेरा शहर मेरी पहचान

स्वच्छ भारत — एक कदम स्वच्छता की ओर

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बस्ती की स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत खुले ने शौच (ODF++) किये जाने के उद्देश्य से विगत वर्षों में सामुदायिक/सार्वजनिक / व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण के माध्यम से लगातार प्रयास किये जा रहे है। शौचालयों नागरिकों द्वारा उपयोग में लाये जा रहे है और स्वच्छ एवं व्यवस्थित होने के उपरान्त शौचालयों में पानी की उपलब्धता है। सभी व्यावसयिक क्षेत्र में एक किमी की दायरे में सार्वजनिक शौचालय निर्मित है शहर के पास किसी भी क्षेत्र में विषेश उत्सव महोत्सव गतिविधि में बढ़ा जनसैलाव या भीड़ एकत्रित होने पर पर्याप्त मात्रा में वैकल्पिक व्यवस्था हेतु मोबाईल टॉयलट की व्यवस्था है, सभी आवासीय समितियों रिहायसी कल्याण मोहल्ला समितियों घरेलू निर्माण कार्य करने वाले श्रमिक ड्राइवर प्रबन्धन स्टाप के लिए जीभी कार्य क्षेत्र में उपयोग हेतु आते है। उनके लिए शौचालयों की व्यवस्था है। शहर के सभी सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों में समस्त आधारभूत सुविधा उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद, बस्ती द्वारा खुले में शौच करने वालों के लिए पैनाल्टी एवं फाइन (अर्थ दण्डजारी एवं अधिसूचित किया गया है) भारत सरकार द्वारा जारी Declaring your city/town SBM ODF++ Tool Kit में दिये गये निर्देशों के अनुसार सभी व्यक्तिगत/सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों स्वच्छ एवं सभी में पानी की उपलब्धता तथा सभी प्रयोग किये जा रहे है।

अतः 01 से 25 बाढी (ODF++) किये जाने की स्वघोषणा की जाती है। जिसका विवरण निम्नवत् है–

क्रमांक	वार्ड की संख्या	वार्ड का नाम	अभ्युक्ति
01	02	03	04
01	01	नरहरिया	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
02	02	मिश्रौलिया	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
03	03	मुरलीजोत	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
04	04	पाण्डेय बाजार	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
05	05	पिकौरा शिव गुलाम	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
06	06	चिकवा टोला	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
07	07	सुर्तीहट्टा	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
08	08	तुरकहिया	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
09	09	विशुनपुरवा	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
10	10	माली टोला	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
11	11	पठान टोला	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
12	12	रौतापार	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
13	13	महरीखांवा	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
14	14	गांवगोड़िया	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
15	15	पिकौरादत्तू राय	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
16	16	कम्पनीबाग	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
17	17	पुराना डाकखाना	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
18	18	बेलवाडाड़ी	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
19	19	ओरीजोत	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
20	20	इटैलिया	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
21	21	रामेश्वरपुरी	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
22	22	बैरिहवा	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
23	23	आवास विकास	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
24	24	कटरा	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।
25	25	पिकौरा बक्श	खुले में शौच से मुक्त (ओ०डी०एफ० प्लस / (ODF++) किया जा चुका है।

इस सन्दर्भ में कोई आपत्ति हो तो 15 दिन के अन्दर नगर पालिका परिषद बस्ती में प्रस्तुत कर सकते है।

अधिशाषी अधिकारी/
उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु)
नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः– 5178 A /न0पा0प0ब0/2024–25 दिनांक–03.12.2024

ट्रिपल पी रुप में विकसित करें वेटरिनरी कालेज, इंटरनेशनल स्टेडियम, कान्हा उपवन -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ताल नदोर में बन रहे वेटरिनरी कॉलेज (पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय) और यहां प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तथा कान्हा गोशाला को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने की है।

सीएम योगी मंगलवार अपराह्न गोरखपुर के ताल नदोर में बन रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट, मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

विज्ञापन इस दौरान उन्होंने कहा कि ताल नदोर में 80 से 100 एकड़ में प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और 52 एकड़ में नगर निगम की तरफ से बनाए जाने वाले कान्हा गोशाला को भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक दायरे में लाया जाए। इस पायलट प्रोजेक्ट से हम यहां कुल ढाई–तीन सौ एकड़ क्षेत्रफल में विकास का शानदार मॉडल बना सकेंगे। लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिए 106 एकड़ क्षेत्रफल में प्रारंभिक सर्वे का काम किया जा चुका है। इसके अलावा 52 एकड़ में बनने वाले कान्हा गोशाला का निर्माण सीएनडीएस द्वारा कराया जाएगा। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यों को एक दायरे में लाने पर काम किया जाए। वेटरिनरी कॉलेज के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च 2026 में पूरा करा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वेटरिनरी कॉलेज के लेआउट का अवलोकन करने के दौरान पशुओं (गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा आदि) के रखने और उनकी फीड के लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। जानकारी लेने के बाद उन्होंने निर्देशित किया कि पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त लैंड रिजर्व करने और गौ सरोवर बनाने के लिए भी व्यवस्था की जाए।

इसके लिए संरचना में आवश्यक परिवर्तन भी किए जाएं। सीएम योगी ने वेटरिनरी कॉलेज के समीप ही चार एकड़ में बन रहे वृहद गोशाला को भी देखा और निर्देशित किया कि यहां गर्मियों में पशुओं को रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, प्रशासन, पुलिस, पशुपालन, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी वर्ष 3 मार्च को किया था। 80 एकड़ में क्रमवार तीन चरणों मे बन रहे इस महाविद्यालय के निर्माण पर 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। पहले चरण के निर्माण पर 277 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च होंगे।। कार्यदायी संस्था के रूप में लोक निर्माण विभाग को जिम्मेदार दी गई है। महाविद्यालय के परिसर में एकेडमिक ब्लॉक (भूतलपांच मंजिल) हॉस्पिटल ब्लॉक, आवासीय ब्लॉक, 430 की क्षमता का पुरुष छात्रावास, 268 की क्षमता का महिला छात्रावास, ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस, कम्युनिटी सेंटर, एसटीपी, किसान भवन के साथ पशु चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी विभिन्न विधाओं के शोध अध्ययन केंद्रों की स्थापना की जाएगी। इस महाविद्यालय परिसर को श्नेट जीरो एनर्जीश की अवधारणा पर विकसित किया जाएगा। इस महाविद्यालय में पशुओं के इलाज के साथ नस्ल सुधार के कार्य भी होंगे। इस पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के बन जाने के बाद यहां देशभर के पशु चिकित्सकों की ट्रेनिंग भी होगी।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 79/2024

1. साधना देवी उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी स्व0 हरीशधर द्विवेदी 2. सुधा द्विवेदी उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्री स्व0 हरीशधर द्विवेदी 3. सौरभ द्विवेदी उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र स्व0 हरीशधर द्विवेदी 4. गौरव द्विवेदी उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र स्व0 हरीशधर द्विवेदी समस्त निवासीगण विस्कोहर नगर पंचायत विस्कोहर तप्पा बुढ़ढी परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 20–12–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 20 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 111/2024

1. श्रीमती विमलेश पत्नी स्व0 संजय गौतम साकिन डोकम अगया तप्पा परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 06–12–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 06 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 100/2024

1. रामदास 2. ज्ञानदास 3. जगराम पुत्रगण अलगू साकिन पिपरा पाण्डेय तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 20–12–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 20 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 118/2024

1. अमित कुमार उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्र स्व0 राजू निवासी ग्राम व पोस्ट सगराजोत तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर पिन कोड 272192

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 13–12–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 13 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या– 130/2024

1. विमला मिश्रा उम्र करीब 67 वर्ष पत्नी स्व0 सूर्यप्रकाश मिश्रा निवासी ग्राम खजौलानानकार पोस्ट बांसी तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 20–12–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 12 के 20 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–361/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजयनन्दन प्रसाद उर्फ अतुल प्रसाद
बनाम
शहजाद अहमद आदि

1. शहजाद अहमद पुत्र डा0 ओवैदुल्लाह साकिन बेलवाडाड़ तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–जे0एम0/एफ0टी0सी0 (महिलाओ के विरूद्ध अपराध) महोदय बस्ती
घरेलू हिंसा वाद सं0 319/2023

सारिका उपाध्याय
बनाम
नीरज उपाध्याय आदि

1. नीरज उपाध्याय उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 2. सुमिता उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 3. अम्बुज उपाध्याय उर्फ छोटू उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 4. शीला उम्र लगभग 43 वर्ष 5. आंचल उर्फ पुष्पा उम्र लगभग 38 वर्ष 6. उपासना उम्र लगभग 36 वर्ष 7. पूनम उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रीगण स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय निवासीगण ग्राम दौलतपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती सदर थाना कोतवाली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2025

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 02 मास 01 सन् 2025 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–590/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम प्रसाद साहु
बनाम
मो0 उमर आदि

मोहम्मद अली उम्र लगभग 57 साल पुत्र रज्जाक अली निवासी मौजा डिलिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 21/1998
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

खेलई
बनाम
रामकेवल आदि

1. नवीहसन पुत्र रियासत उम्र 58 वर्ष 2. मो0 रईश पुत्र मो0 इलाके उम्र 62 वर्ष 3. हजरत अली पुत्र मो0 इलाके उम्र 50 वर्ष 4. नबी अहमद पुत्र रियासत उम्र 62 वर्ष 5. तकदीरूनिंशा पत्नी नबी हसन उम्र 56 वर्ष साकिनान मौजा तुरकौलिया तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20–12–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **20.12.2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 29.11.2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com